|| श्री महावीराय नम : ||

श्री ग्रेटर बोम्बे वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ

संचालित

मातुश्री मणिबेन मणशी भीमशी छाडवा धार्मिक शिक्षण बोर्ड

Website : www.jainshikshan.org **E mail :** jainshikshanboard@gmail.com

११ जान्युआरी २०२६ **महिला मंडल** **कुल गुण : १००**

सूचना : १) जिस प्रकार सवाल पूछा गया हो उस प्रकार जवाब लिखने हैं। वार्ता एवं थोकडे के लंबे जवाब लिखने नहि हैं।

२) आप के जवाब पेपर में आपने ओपन बुक दी है कि रेग्युलर यह खास लिखना हैं। जिसने नहीं लिखा रहेगा यदि उसका नंबर आएगा फिर भी नंबर नहीं दिया जाएगा।

श्रेणी - ५

STUDENT NAME		ROLL NO.	
DATE OF BIRTH		MOBILE NO.	
OPEN /REGULAR		WRITER YES/NO	
SANGH NAME		SUPARVISOR SIGN	
MAHILA MANDAL		TOTAL MARKS	

(३०)

प्र. १ सामायिक-प्रतिक्रमण के आधार पर लिखिए।

(१) निम्नलिखित पाठों की पूर्ति कीजिए। **(१०)**

१. जं पि य ..... मणुन्नं

२. पावाणं ..... उससिएणं

३. समणोऽहं .....

..... अनियाणो

४. पाण .....

..... अदिट्ठहडाए

(२) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर किस पाठ में है? वह लिखिए। **(५)**

१. भोयणाउ य .....

२. फासाफूसंतु .....

३. पूएसु वा .....

४. सांशयिक मिथ्यात्व .....

५. सत्थ मुसलादिक .....

(३) निम्नलिखित शब्दों के मूल पाठ (मागधी शब्द) लिखिए। **(६)**

१. विचरण करता हूं ..... २. जब तक मर्यादा की हो .....

३. रक्त में ..... ४. वात पित्त कफ .....

५. लोक में उत्तम ..... ६. वाणी से स्तुति किये जानेवाले .....

(४) निम्नलिखित प्रश्नो के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। **(९)**

१. मंगल किसे कहते है? उसका तीसरा भेद लिखिए।

.....

२. अनर्थदंड किसे कहते है?

.....

३. नमस्कार सूत्र के स्मरण से किसका विकास होता है?

.....

४. लोभ किसे कहते है?

.....

५. १८ पापों में से मन से होनेवाले पाप कौन से है?

.....

६. शरीर को किस के समान कहा गया है?

.....

७. प्रहर किसे कहते है? .....

८. साधु कौन बन सकता है? .....

९. पांच महाभूत कौन से है? .....

(५०)

प्र. २ तत्त्व विभाग/संस्कार विभाग के आधार पर लिखिए।

(अ) छह आरे के भाव के आधार पर जवाब लिखिए। **(२०)**

(१) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। **(१०)**

१. अवसर्पिणी काल के पांचवे आरा के ५ वां और १६ वां लक्षण लिखिए।

.....

.....

२. ध्रुत मेघ में क्या होता है? .....

३. मकार दंड किस कुलकर के समय में था? .....

४. ऋषभकूट किसे कहते है? .....

५. उत्सर्पिणी काल में धर्म कितना रहेगा? .....

.....

६. अवसर्पिणी काल के छट्ठे आरा में मनुष्य कहां रहेंगे? .....

.....

७. ढाईद्वीप में क्या होता है? .....

८. उत्सर्पिणी काल में केवल जुगलिया किस आरा में होते है?

.....

९. अवसर्पिणी के चौथे आरा में कौन से श्रेष्ठ पुरुष उत्पन्न हुए?

.....

१०. सदा एक जैसा काल कौन से क्षेत्र में होता है? दो शब्दों में लिखिए। .....

(२) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(५)**

१. उत्सर्पिणी काल के २४ वें तीर्थंकत्र मोक्ष गए, उस के बाद ....., ... धर्म का विच्छेद होगा।

.....

२. अवसर्पिणी काल के दूसरा आरा बैठते ..... अवगाहना और उत्सर्पिणी काल का तीसरा आरा उतरते ..... पांसली होती है। .....

३. भगवान ऋषभदेव ..... नक्षत्र में मोक्ष गए। .....

४. मन को प्रसन्न करने वाले .... के कल्पवृक्ष। .....

५. भगवान महावीर ..... दिशा के किनारे, ... वृक्ष के नीचे ..... की आतापना लेते थे।

.....

(३) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दो शब्दों में लिखिए। **(५)**

१. अवसर्पिणी काल के छट्ठे आरा की गति प्राय: क्या होगी? .....

२. कुलकर किसे कहते है? .....

३. उत्सर्पिणी के पांचबें आरा में धरती की सरसाई कैसी होगी? .....

४. १४ वां और १५ वां कुलकर कौन थे? .....

५. अवसर्पिणी के पांचवे आरा में शिष्य कैसे होंगे? .....

(आ) कर्मप्रकृति के आधार पर लिखिए। **(२५)**

(१) व्याख्या लिखिए। **(५)**

१. अटिप्पणयाए : .....

२. अरति : .....

३. अनिष्ट स्थिति : .....

४. अपवर्तन : .....

.....

५. दंसण पओसेणं : .....

(२) निम्नलिखित प्रश्नो के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। **(१०)**

१. उत्तराध्ययन सूत्र में कर्म की कौन सी बात बताई है? उसका तीसरा भेद लिखिए।

.....

२. अंतराय कर्म कैसा होता है? नाम कर्म ने कौन सा गुण रोका है? .....

.....

३. जीव और कर्म का संबंध कब से है? किस उदाहरण से समझाया है?

.....

४. ज्ञानावरणीय कर्म की जिन प्रक्रतियों में श्रावक को जितना ज्ञान होता है,वे प्रकृतियां कौन सी है?

.....

५. शुभ स्वर के नाम लिखो। .....

६. नाम कर्म की पिंड प्रकृति कितनी? उसकी विस्तार से प्रकृतियां कितनी?

.....

७. वेदनीय कर्म तीसरे स्थान पर क्यों है? .....

.....

८. वेदनीय कर्म कितने प्रकार से बंधता है? अंतराय कर्म कितने प्रकार से भोगा जाता है? दो शब्दो में लिखिए।

.....

९. किस संघयण में पट्टा होता है? .....

१०. विहायगति के नाम लिखिए। .....

(३) निम्नलिखित वाक्य सही या गलत। गलत को सुधारो। **(५)**

१. विनय प्रकृति से मनुष्य का आयुष्य बंधता है। .....

२. कार्य बिना कारण की उत्पत्ति नहीं होती। .....

३. कर्म कर्ता का ही अनुसरण करता है। .....

४. क्षय मात्र मोहनीय कर्म का होता है। .....

५. निद्रा के चार प्रकार होते है। .....

(४) नीचे दिए प्रसंग में कौन से कर्म की कौन सी प्रकृति आती है? **(५)**

१. जिसके पास चक्षुदर्शन है उसकी निंदा की हो। .....

२. हरिकेशीने रुप का मद किया था। .....

३. मां को सुगर है इसलिए मिठाई नहीं दी। .....

४. आगिया का शरीर चमकता है। .....

५. करुणा चींटी को दुःख देता है। .....

(इ) साधु-साध्वीजी को गौचरी वहोराने की समझ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नो उत्तर एक शब्द में लिखिए। **(५)**

१. किन स्थान पर खडे रहकर साधु-साध्वीजी को वहराना नहि चाहिए? .....

२. गौचरी के समय कैसा रहना चाहिए? .....

३. श्रावक किस का त्यागी होता है? .....

४. साधु-साध्वीजी घर पधारे तो सात आठ कदम आगे कैसे जाना चाहिए? .....

५. साधु के निमित्त से बेचकर लिया हुआ क्या कहलाता है? .....

(१०)

प्र. ३ वार्ता के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक शब्द में लिखिए।

१. तीर्थंकरों का जन्म महोत्सव कब मनाया जाता है? .....

२. गन्ने के स्वीकार से किस वंश की स्थापना हुई? .....

३. पुरोहित का कुल क्या कहलाया? .....

४. द्रह के पास क्या था? .....

५. साधक इंद्रियों को किस ढाल में सुरक्षित रखता है? .....

६. तिर्यंच का भव किस कारण मिलता है? .....

७. कामदेव श्रावकने किसका परिचय दिया। .....

८. कामदेव श्रावक ने कितने प्रकार का श्रावकधर्म अंगीकार किया? .....

९. कामदेव श्रावक को कितने उपसर्ग मिले? .....

१०. हस्तिनापुर नगर में किस शेठ ने सपना देखा? .....

(१०)

प्र. ६ काव्य विभाग के आधार पर काव्य की पूर्ति कीजिए।

१. भद्दीलपुर .....

.....

पाय।

.....

२. इण .....

.....

.....

दान।

३. सती .....

.....

.....

खीर।

४. जादव .....

.....

.....

वाणी।

५. चोवीस .....

.....

.....

आणंद।

जय जिनेन्द्र

- **PLEASE CONATACT DSB HELPLINE NO. 9702277914 FOR FREE ONLINE SHRENI CLASSES.**
- **NEXT CLASS STARTS FEBRUARY 2ND/3RD MONDAY AND TUESDAY.**
- **TO JOIN OUR TELEGRAM GROUP. CONTACT DSB HELPLINE NO. 9702277914.**
- **FOR BOOKS AND EXAM REGISTRATION.**